Title: Need to set up hydro-electric power projects in Bihar.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : सभापति महोदय, देश में पन-बिजली का महत्व है। प्रधान मंत्री जी ने घोाणा की थी कि 50,000 मेगावाट पन-बिजली की योजनाएँ देश में चलायेंगे, लेकिन खेद की बात है कि बिहार के लिए एक भी परियोजना उसमें शामिल नहीं है। बिहार में पन-बिजली की पोटैंशियलिटी है। इन्द्रपुरी जलाशय योजना के द्वारा 450 मेगावाट पन-बिजली और कैमूर क्षेत्र में 2580 मेगावाट पन-बिजली योजना के लिए एनटीपीसी ने अनुसंधान किया था। मैं सरकार से मांग करता हूं कि बिहार की उपेक्षा न की जाए। इन दोनों क्षेत्रों को केन्द्र की योजना में शामिल करके एनटीपीसी को निर्देश दिया जाए कि इस दिशा में कार्यवाही की जाए। मुझे खुशी है कि प्रधान मंत्री जी ने इस योजना के बारे में ऐलान किया है, लेकिन बिहार की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए और बिहार को भी उसमें शामिल किया जाना चाहिए। इसके साथ ही कन्हर और संख परियोजनाएं, जो झारखण्ड राज्य में है, को भी शामिल किया जाना चाहिए।

MR. CHAIRMAN : Dr. V. Saroja may speak now.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Kaliappan, you will be the last Member to speak. Please wait.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Lady Members will be given preference.

...(*Interruptions*)